Headline

1. Bihar: गुस्से में मंत्री तेज प्रताप ने युवक को कॉलर पकड़कर दिया धक्का, दर्ज कराई FIR, बोले- शराब के नशे में वह
2. Lucknow : अमरमणि और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी की रिहाई पर शासन की मुहर, अच्छे आचरण से माफ हुई बाकी सजा
3. Bray Wyatt Death: पूर्व WWE चैंपियन ब्रे वायट का हार्ट अटैक से निधन, 36 साल की उम्र में ली आखिरी सांस
4. Manipur: 'मणिपुर में धर्म के आधार पर नहीं हुई हिंसा', अमेरिका स्थित थिंक टैंक ने बताया किन वजहों से बढ़ा तनाव
5. Chandigarh: सरहद पार से घुसपैठ रोकेंगे एआई से लैस स्वदेशी ड्रोन, इजराइल पर निर्भरता भी होगी खत्म

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 50 | इंदौर, शुक्रवार 25 अगस्त, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

चुनाव से पहले एमपी में सड़क पर कर्मचारी

◆ तहसील-निकायों में भी कामकाज पर असर पड़ेगा; रजिस्ट्री जैसे काम भी अटकेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले मध्यप्रदेश में कर्मचारी सडक़ पर उतरेंगे। शुक्रवार को प्रदेश के लाखों कर्मचारी एक दिन की हड़ताल के लिए अवकाश पर रहेंगे। इससे तहसीलों से लेकर निकायों तक आम जनता से जुड़े काम अटक जाएंगे। पटवारियों के हड़ताल पर रहने से नामांतन, सीमांकन, बंटाकन जैसे काम नहीं होंगे, जबकि जमीन की रजिस्ट्री कराने में भी दिक्कतें आएंगी। पुरानी पेंशन समेत कुल 39 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारी बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदेश के पटवारी पहले से 3 दिन के अवकाश पर हैं। इससे जमीन से जुड़े कामकाज पर बुरा असर पड़ रहा है। शुक्रवार को तृतीय वर्ग और चतुर्थ वर्ग के साथ जनपद सीईओ, राजपत्रित अधिकारी भी अवकाश पर चले जाएंगे। इस कारण शुक्रवार को तो कामकाम प्रभावित होंगे ही, शनिवार और रविवार को शासकीय अवकाश होने से भी काम नहीं हो सकेंगे। यानी, लगातार 3 दिन तक जनता से जुड़े काम नहीं हो सकेंगे।

हड़ताल पर जाने से पहले बैठकों का दौर

मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी मोर्चा समेत 6 संगठनों के आह्वान पर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। चुनाव से पहले यह प्रदेशभर के कर्मचारियों का बड़ा प्रदर्शन है। संगठन के पदाधिकारी पिछले कई दिन से सरकारी ऑफिसों में गेट मीटिंग कर रहे हैं। सभा को मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी, जिलाध्यक्ष मोहन अय्यर, लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष एमपी द्विवेदी, लघु वेतन कर्मचारी संघ के महेंद्र शर्मा, वाहन चालक कर्मचारी संघ के साबिर खान, जिला न्यायालय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव, निगम मंडल के अध्यक्ष अनिल वाजपेयी, लोक निर्माण विभाग लिपिक संघ के अध्यक्ष रत्नेश सौंधिया आदि ने बैठकों को संबोधित किया।

प्रदेश में 5.75 लाख कर्मचारी

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव तिवारी ने बताया कि प्रदेश में कुल 5 लाख 75 हजार कर्मचारी हैं।

शुक्रवार को वर्ग-3 और 4 समेत राजपत्रिक अधिकारी संवर्ग भी हड़ताल में शामिल रहेंगे। इससे जमीन की रजिस्ट्री हो या तहसीलों में नामांकन-बंटाकन जैसे काम, सब अटक जाएंगे। शनिवार और रविवार को छुट्?टी होने से लगातार 3 दिन तक काम नहीं हो सकेंगे। सोमवार को कर्मचारी काम पर लौटेंगे। प्रदेश के लिपिक कर्मचारियों को 2400-2800-3200 के स्थान पर मंत्रालय के समान 2800-3600-4200 ग्रेड पे का लाभ दिया जाए। पुरानी पेंशन बहाल हो। वहीं, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को धारा 49 से छूट दी जाए और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को केंद्रीय केंद्रीय तिथि से ही महंगाई राहत दी जाए। पूर्व का बकाया भी प्रदान किया जाए। पिछले 11 साल से वाहन एवं मकान किराए भत्ते में वृद्धि नहीं हुई है। इसलिए इसमें वृद्धि किए जाने की मांग भी है। इनके समेत कुल 39 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

ये काम होंगे प्रभावित

जमीन के नामांतरण, सीमांकन, बंटाकन, जाति प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट समेत निकायों से जुड़े कामों पर भी असर पड़ेगा।

अवकाश निरस्त करने का विरोध

इधर, कर्मचारी संगठनों ने भोपाल के वरिष्ठ जिला पंजीयक आरके गुप्ता के उस आदेश का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाश के आवेदनों का निरस्त करके आज ऑफिस आने को कहा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव तिवारी ने कहा कि यह कर्मचारियों की हक के लिए उठने वाली आवाज को दबाने का प्रयास है। इसका विरोध करेंगे।

◆ इन मांगों को लेकर प्रदर्शन

- प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ते का बकाया एरियर मिले।
- सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 4त्न महंगाई राहत दी जाए।
- पुरानी पेंशन बहाल हो।
- लिपिकों के ग्रेड पे में विसंगति को दूर करें।
- चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदनाम दें।
- वाहन चालकों की भर्ती एवं टैक्सी प्रथा खत्म की जाए।
- सातवें वेतनमान के अनुसार वाहन भत्ता एवं मकान किराया भत्ता दिया जाए।
- सीपीसीटी खत्म कर आउट सोर्सेस प्रथा बंद करें।
- शिक्षकों एवं सहायक शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान एवं नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दें।
- स्थाईकर्मियों को नियमित करें।
- कर्मचारियों की पदोन्नति करने धारा 49 समाप्त की जाए।
- पेंशन हेतु अंशदाई पेंशन की गणना 25 वर्ष करें।
- आंगनवाड़ी अंशकालीन, स्टेनोग्राफर, जिला न्यायालय, राजस्व कर्मचारियों की लंबित मांगें पूरी हो।

रक्षाबंधन पर्व पर बाबा महाकाल को लगेगा सवा लाख लड्डूओ का भोग

परंपरानुसार पहली राखी पुजारी परिवार बांधेगा, भक्तों को लड्डु प्रसाद दिया जाएंगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। 30 अगस्त को श्रावण शुक्ल की पूर्णिमा रक्षाबंधन पर्व पर तडक़े भस्मारती में ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर को सवा लाख लड्डूओं का भोग लगाया जाएंगा। परंपरानुसार भस्म आरती के पुजारी परिवार की ओर से भगवान महाकाल को सबसे पहले राखी बांधी जाएंगी। पुजारी राजाधिराज महाकाल का श्रृंगार कर भस्म आरती करेंगे।

इस बार सवा लाख लड्डूओ का महाभोग भस्मा आरती पुजारी परिवार के प्रदीप गुरु,दिलीप गुरु, बबलू गुरु द्वारा भक्तों के सहयोग से बाबा महाकाल को अर्पित किया जाएगा। पुजारी परिवार के यश गुरु,माधव गुरु ने बताया उज्जैन में परंपरा है कि कोई भी त्योहार सबसे पहले भगवान महाकाल के आंगन में मनाया जाता है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व पर भी सबसे पुजारी भस्म आरती में भगवान श्री महाकाल को राखी अर्पित करेंगे। इसके बाद भगवान को सवा लाख लड्डूओं का महाभोग लगाया जाएंगा तथा सुबह शाम तक दर्शन के लिए मंदिर आने वाले भक्तों को लड्डू का प्रसाद वितरित होगा। मंदिर में फूलों की आकर्षक सजावट की जाएंगी। पुजारी परिवार की महिलाएं भगवान महाकाल को भस्म आरती में राखी बांधेगी।

भद्रा का प्रभाव होने से भाईयों की कलाईयों पर रात्रि में बंधेगी राखी

श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर 30 अगस्त को इस बार भद्रा का वास भूलोक पर है। इस कारण दिन में भद्रा के प्रभाव के कारण रक्षाबंधन का पर्व रात्रि में मनेगा। बहनें भाइयों की कलाई पर रात 9 बजे बाद से राखी बांध सकेंगी।

ज्योतिषाचार्य पं.अमर डिब्बेवाला ने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व काल पर प्रातः 10 बजे से भद्रा का आरंभ होगा,जो रात्रि में 9.07 बजे तक रहेगा। दिनभर भद्रा का साया रहने के कारण रक्षाबंधन का पर्व नहीं मनाया जा सकता। 30 अगस्त को सुबह 10 बजे से पूर्णिमा लग रही है। इसी दौरान भद्रा भी है। ऐसी मान्यता है कि रक्षाबंधन के पर्व काल में पूर्णिमा तिथि में भद्रा का योग बनता हो तो भद्रा का वह काल छोड़ देना चाहिए। भद्रा समाप्त होने के बाद ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाना चाहिए। रात्रि 9 बजकर 7 मिनट पर भद्रा समाप्त हो जाएंगी, इसके बाद रक्षा बंधन का पर्व मनाना शास्त्रोचित रहेगा। धार्मिक ग्रंथों में भद्रा के संबंध में अलग-अलग विचार प्रकट किया गया है। कुल मिलाकर जब भद्रा का वास पृथ्वी लोक या भूलोक पर हो, तब उस भद्रा का त्याग कर देना चाहिए व भद्रा की समाप्ति की प्रतीक्षा करनी चाहिए उसके बाद ही रक्षा बंधन का पर्व मनाना चाहिए।

इंदौर समेत पांच स्थानों से निकलने वाली जन आशीर्वाद यात्राओं की तैयारियां जारी

यात्रा सभी 230 विधानसभाओं में पहुंचेगी, 21 को होगा यात्रा का समापन ...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव को लेकर अब पूरी तरह से सक्रिय हो चुकी है। यही वजह है कि अब पार्टी में प्रदेश स्तर पर तेजी से निर्णय लेकर उन पर अमल की रणनीति तैयार करने का काम होने लगा है। रणनीति के तहत भाजपा प्रदेश भर में पांच स्थानों ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर के अलावा विंध्य और बुंदेलखंड अंचल से एक साथ जन आशीर्वाद यात्राएं प्रारंभ कर रही है। जन आशीर्वाद यात्रा के लिए पार्टी ने अपना रोड मैप तैयार कर लिया है। पांचों यात्राओं के रुट्स को अंतिम रुप देने के लिए भाजपा व्दारा आज बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में यात्राओं का पूरा शेयडूल जारी होगा।**

जानकारी के मुताबिक प्रदेश भाजपा ने जन आशीर्वाद यात्रा का पूरा रोड मैप भी तैयार कर लिया गया है। इस दौरान तय किया गया है कि 25 सितंबर को भोपाल में कार्यकतार्ओं का महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। बताया गया है की पार्टी ने तय किया है की प्रदेश भर में पांच स्थानों ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर के अलावा विंध्य और बुंदेलखंड अंचल से एक साथ जन आशीर्वाद यात्राएं प्रारंभ होंगी। यह यात्राएं कब से शुरू होंगी, यह अभी तय नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि यह यात्राएं अगले माह के पहले सप्ताह में निकाली जा सकती हैं। इसके लिए एक और बैठक 25 अगस्त को करना तय किया गया है। इसमें केंद्रीय टोली एवं संभागीय टोलियों से तैयारियों की जानकारी और रूट प्लान लेकर आने को कहा गया है। यह बैठक भोपाल में प्रस्तावित है। तैयार की गई योजना के मुताबिक यह यात्रा एक दिन में तीन विधानसभा में पहुंचेगी। इस दौरान बड़ी रैली और सभाओं के अलावा रथ सभाएं भी होगी। इनमें केंद्र और प्रदेश के वरिष्ठ नेता व स्टार प्रचारक शामिल होकर सभाएं लेंगे। टोली रात्रि विश्राम ऐसी जगह करेगी जहां कम से कम 100 लोगों के ठहरने की व्यवस्था हो।

◆ 21 सितंबर को होगा समापन

प्रदेश में निकलने वाली पांच जन आशीर्वाद यात्राओं की तैयारी के लिए यह बैठक आयोजित की गई। जन आशीर्वाद यात्रा सभी 230 विधानसभाओं में पहुंचेगी। इसका समापन 21 सितंबर को होगा। इसके बाद 25 सितंबर को भोपाल में कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन होगा। जिसमें 10 लाख कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

कल से फिर शुरू होगी हेरिटेज ट्रेन

पातालपानी से कालाकुंड के बीच होगा संचालन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **यात्रियों की माँग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन शुरू की जा रही है। यह ट्रेन 26 अगस्त, 2023 से प्रति शनिवार एवं रविवार को चलेगी। जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 52965 पातालपानी कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन 11.05 बजे पातालपानी से चलकर 13.25 बजे कालाकुंड पहुँचेगी तथा ट्रेन संख्या 52966 कालाकुंड पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से 15.34 बजे चलकर 16.30 बजे पातालपानी पहुँचेगी।**

इस ट्रेन में दो एसी चेयर कार सी1 व सी2 एवं तीन नॉन एसी चेयर कार डी1 , डी2 व डी 3 रहेंगे। इस हेरिटेज ट्रेन में आने-जाने के लिए अलग-अलग टिकट लेना होगा। इस ट्रेन के एक दिशा के लिए एसी चेयर कार का किराया रु 265/- एवं नॉन एसी चेयर कार का किराया रू 20/- प्रति टिकट प्रति व्यक्ति रहेगा । टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट से ऑनलाइन या आरक्षण केन्द्रों से की जा सकती है।

कांटाफोड़ शिव मंदिर से रविवार को भगवान भोलेनाथ निकलेंगे अपने भक्तों को दर्शन देने

सावन के आठवें और अंतिम सोमवार को शंख और सीपी से होगा भगवान मनकामेश्वर का अनूठा श्रृंगार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर श्रावण मास की समापन बेला में रविवार 27 अगस्त को सुबह 10 बजे शाही सवारी निकाली जाएगी। भगवान मनकामेश्वर महादेव अपने भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। मंदिर ट्रस्ट के विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग एवं बी.के. गोयल ने बताया कि मंदिर से रविवार 27 अगस्त को मन कामेश्वर महादेव अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए शाही सवारी के रूप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। सुबह 10 बजे यह शाही सवारी मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर सम्पूर्ण अग्रवाल नगर होते हुए पुनः मंदिर पर आएगी। विधायक आकाश विजयवर्गीय के आतिथ्य में शाही सवारी का शुभारंभ होगा। भजन गायक हरिकिशन साबू भोपूंजी के भजनों की वर्षा भी शाही सवारी में होगी। सोमवार 28 अगस्त को अंतिम सोमवार पर शंख एवं सीपों से भगवान का मनोहारी श्रृंगार होगा। बंगाल के कलाकार हर वर्ष की तरह इस बार भी यहां झांकी निर्माण कर रहे हैं। यह झांकी इतनी अनुपम और अनूठी होगी कि प्रदेश में पहली बार ही इसका निर्माण किया जा रहा है। सोमवार को रात 8 बजे भजन गायक सतीश शर्मा काका द्वारा भजनों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। बुधवार 30 अगस्त को रक्षा बंधन के महापर्व पर प्रतिवर्षानुसार भगवान भोलेनाथ की भस्म आरती महाकालेश्वर की तर्ज पर सुबह 5 बजे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के आतिथ्य में होगी।

©www.detectivegroupreport.com

थर्ड रेल सिस्टम से दौड़ेगी इंदौर मेट्रो

लोहे की पटरियों के साथ बिछाई एल्यूमीनियम की पटरी से होगी बिजली की आपूर्ति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। अगले महीने प्रायोरिटी कॉरिडोर का ट्रायल (31र्ं) रन होना है, जिसके लिए तीन कोच (3ँीी्रू्ं2) वाली मेट्रो (ी31ङ्क) बड़ोदरा (5ङ्किंर्ी) से रवाना हो गई है। अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल इंदौर-भोपाल मेट्रो में किया जा रहा है। यहां तक कि ऊर्जा बचत की भी पूरी व्यवस्था की गई है, जहां मेट्रो के लिए लोहे की दोनों तरफ पटरियां बिछाई जाएंगी। वहीं उनके साथ पास में एक एल्यूमीनियर की तीसरी पटरी भी रहेगी, जिसके जरिए मेट्रो ट्रेन को बिजली आपूर्ति की जाएगी। यानी पुराना छत से बिजली मिलने का सिस्टम नहीं रहेगा और इंदौर मेट्रो थर्ड रेल टेक्नोलॉजी के साथ दौड़ेगी। बिजली कम्पनी ने इंदौर मेट्रो को निर्बाध आपूर्ति मिलती रहे इसके लिए अलग से पेंथर लाइन भी डाली है।

17 मीटर ऊंचे मोनोपॉल लगाए गए

इंदौर की पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने 10 एमवीए का बिजली कनेक्शन मेट्रो के लिए चालू भी कर दिया। सीएमडी अमित तोमर के मुताबिक अमित तोमर के मुताबिक उच्च शक्ति की 33 किलोवॉट बिजली नई लाइन के माध्यम से प्रदाय की जाएगी। 17 करोड़ रुपए की राशि से 17 मीटर ऊंचे मोनोपॉल लगाए गए हैं, जिन पर पेंथर कंडक्टर के माध्यम से बिजली पहुंचेगी। सुपर कॉरिडोर स्थित टीसीएस चौराहा के पास बिजली कम्पनी की टीम ने मेट्रो टीम के साथ पेंथर लाइन से पॉवर कमांड सेंटर को चार्ज भी कर दिया। मेट्रो के साथ-साथ इस पेंथर लाइन से टीसीएस, इन्फोसिस सहित आसपास के उद्योगों और क्षेत्रों को भी अब निर्बाध बिजली मिल सकेगी।

विद्युत नेटवर्क तैयार किया

मेट्रो जब भी किसी स्टेशन पर रूकेगी, उसके पहले उसको मिल रही बिजली ऊर्जा को कम कर दिया जाएगा, जिससे उसकी गति स्वतः कम होगी और इससे बिजली भी बचेगी। अलग से जो विद्युत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है उसमें एमआर-10, खजराना और गांधी नगर पर तीन रिसीविंग सब स्टेशन भी बनेंगे और 132 किलोवॉट की लाइन से सब स्टेशनों तक बिजली पहुंचेगी और 33 किलोवॉट एसी वॉल्ट में तब्दील होगी और फिर उसमें से 750 वॉल्ट बिजली डीसी में तब्दील कर मेट्रो को दी जाएगी।

विदेशों से बुलवाएं स्वीच गीयर ...

इसके लिए जर्मनी, स्वीट्जरलैंड, फ्रांस से स्वीच गीयर बुलवाए हैं, जो विशाल आकार के हैं और इंदौर-भोपाल में चलने वाली मेट्रो में थर्ड रेल टेक्नोलॉजी सिस्टम का उपयोग होगा, जिसमें वाय डक्ट पर आने-जाने के लिए तीन-तीन पटरियां बिछाई जा रही है, जिनमें 2 लोहे की और तीसरी बिजली आपूर्ति के लिए एल्युमीनियम की बिछाई जाएगी।

आरडीएसएस के तहत होंगे 136 करोड़ के कार्य

विद्युत वितरण व्यवस्था का किया जाएगा सुदृढ़ीकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **केंद्र शासन की महत्वपूर्ण योजना रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत शाजापुर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्षों में 136 करोड़ रूपए के कार्य कराए जाएंगे। प्रदेश के ऊजार्मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि नए कार्यों से आगामी दस वर्षों की बिजली वितरण व्यवस्था सुदृढ़ीकृत होगी। इसमें राज्य का अंशदान भी शामिल रहेगा।**

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि शाजापुर जिले में नए ग्रिड बनाने, पुराने ग्रिडों की क्षमता वृद्धि, नए वितरण ट्रांसफार्मर, केबल, केपेसिटर बैंक फीडर का विभक्तिकरण, पुराने कंडक्टर (तारों) की बजाए ज्यादा क्षमता के नए तार लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ कर दिया गया है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया जिले के चौंसला, खेड़ा पहाड, मालीखेड़ी,कनाडिया, भैसया गड़ा, मोहम्मद खेड़ा, कमलिया,भीलखेड़ी में 33/11 केवी के अत्याधुनिक ग्रिड बनाए जाएंगे। इन पर करीब 18 करोड़ की राशि व्यय होगी। जिले के 12 पुराने ग्रिडों पर अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली वितरण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी तरह 18 ग्रिड़ों के मौजूदा पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता में वृद्धि होगी।

प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि शाजापुर जिले में 745 अतिभारित ट्रांसफार्मर की क्षमता का विस्तार होगा। 313 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाकर उपभोक्ताओं की वोल्टेज संबधी समस्या का निदान किया जाएगा। केबल संबंधी कार्य भी होंगे। इससे आगामी दस वर्षों की बिजली वितरण व्यवस्था का माकूल का इंतजाम हो सकेगा। प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि आरडीएसएस के कार्यों के लिए शाजापुर जिले के नोडल अधिकारी के रूप में अधीक्षण यंत्री सुनील पटेल को दायित्व सौपा गया है।

स्टार्ट अप पार्क और कन्वेनशन सेन्टर के लिए लैंड यूज बदलेगा

प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं आवास नीरज मण्डलोई ने शहर में चल रहे विकास कार्यों पर की समीक्षा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इन्दौर विकास प्राधिकरण में प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं आवास नीरज मण्डलोई ने इन्दौर के विकास के आयाम एवं चल रहे विकास कार्यो हेतु मार्गदर्शन प्रदान करते हुए आवश्यक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा, सांसद शंकर लालवानी द्वारा इस महत्वपूर्ण बैठक में अपने अमूल्य सुझाव दिये। इस मौके पर स्टार्ट अप पार्क, योजना क्रमांक 172 में कन्वेनशन सेन्टर हेतु भू-उपयोग परविर्तन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई।

प्राधिकरण अध्यक्ष श्री जयपालसिंह चावड़ा ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा विगत दिनों रिक्त पदों पर भर्ती के लिये जो प्रस्ताव शासन को भेजे थे, उनके संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न 5 योजनाओं का डिनोटिफिकेशन, जिससे लगभग 65 कालोनी वैध हो सकेगी, इसके अतिरिक्त अन्य योजनाऐं जिन्हें डिनोटिफिकेशन करने का प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा परीक्षण कर भेजा जाना है, जिनसे 65 अन्य कालोनियॉ भी योजना से मुक्त हो सकेगी, उक्त पर भी विस्तार से चर्चा हुई। गैर योजना मद में शासन के पास स्वीकृति हेतु लंबित प्रस्तावों जैसे- एम.व्हाय. एच. चिकित्सालय परिसर में मरीजों के परिजनों के रूकने हेतु आवासीय काम्पलेक्स हेतु शासन स्वीकृति के संबंध में सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही सुपर कॉरिडोर पर प्रस्तावित स्टार्ट अप पार्क, योजना क्रमांक 172 में कन्वेनशन सेन्टर हेतु भू-उपयोग परविर्तन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई।

श्री चावड़ा ने बताया कि शहर हित में जन-जन से जुडे आयोजनों के संबंध में प्राधिकरण के योगदान दिये जाने के संबंध में आवश्यक स्वीकृतियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त बायपास पर कन्ट्रोल एरिये में पृथक से मार्ग बनाये जाने, शहर के इन्ट्री पाईन्ट पर बोगदों की वर्तमान व्यवस्था पर सुधार बाबद, शहर में एलिवेटेड कॉरिडोर में आने वाले चौराहे पर फ्लाय ओव्हर की संभावना बाबद एवं नगर पालिक निगम के विभिन्न नितिगत विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री इलैया टी.राजा, नगर पालिक निगम, आयुक्त, श्रीमती हर्षिका सिंह, इन्दौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, नगर तथा ग्राम निवेश के संयुक्त संचालक श्री शुभाशीष बेनर्जी, प्राधिकरण की मुख्य नगर नियोजक श्रीमती रत्ना बोचरे, अधीक्षण यंत्री श्री अनिल जोशी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गुप्ता एवं एन.एच.ए.आई. के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री गुप्ता, एन.एच.ए.आई. के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री सोमेश बांझल, नगर पालिक निगम के अधीक्षण यंत्री श्री अनूप गोयल सहित बडी संख्या में प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित थे।

सांवेर विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में पहुंची स्नेह यात्रा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सामाजिक समरसता और एकता की अलख जगाने निकली स्नेह यात्रा आज सांवेर विकासखण्ड के ग्राम सिलोटिया पहुंची। यहां शोभायात्रा के साथ सामुदायिक भवन में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय भजन मंडली (संत रविदास मालवीय लोक गीत डोहोरिया) द्वारा प्रस्तुतियां दी गई। आचार्य श्री आनन्द शुक्ला द्वारा मंगलाचरण किया गया। स्वामी श्री परमानंद गिरी जी महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि अपने देश को और अधिक समृद्ध देश बनाने के लिये सभी कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। ग्राम के काशी राम डोहरिया को तिलक लगाकर और गले लगकर पुष्पहार से सम्मान किया गया। इसके पश्चात ग्राम गारीपिपलिया में स्वामी श्री परमानंद गिरी जी महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जो मनुष्य अपने लिए सोचता है वह सामान्य मनुष्य है और जो परहित के लिये सोचता है वह संत के समान है। यहां पर गुरूदेव द्वारा दो वरिष्ठ जनों का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

कमलनाथ के गढ़ में सीएम का ऐलान, पांढुर्णा होगा जिला

◆ शिवराज बोले- छिंदवाड़ा में महाविद्यालय, ऑडिटोरियम बनाएंगे

बतौर मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कई योजनाएं बंद की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा दौरे पर आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मध्यप्रदेश में 56वें जिले की घोषणा की। उन्होंने कहा, ह्यपांढुर्णा, नंदनवाड़ी और सौंसर को मिलाकर नया जिला बनाया जाएगा। ये तीनों फिलहाल छिंदवाड़ा जिले की तहसीले हैं। इससे पहले उट नागदा (उज्जैन) और पिछोर (शिवपुरी) को भी नया जिला बनाने की घोषणा कर चुके हैं। 13 अगस्त को 53वां जिला मऊगंज अस्तित्व में आ चुका है।

रोजगार दिवस समारोह और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा में महाविद्यालय और ऑडिटोरियम बनाने का ऐलान किया। इससे पहले उन्होंने जाम सांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक की आधारशिला रखी। 26 एकड़ में श्री हनुमान लोक का निर्माण 314 करोड़ रुपए की लागत से होगा। उट ने कहा, ह्यमेरे जीवन का यह अद्भुत क्षण है। भगवान श्रीराम और सीता मां के चरणों में प्रणाम कर हमने आज श्री हनुमान लोक का भूमिपूजन किया है। यह अद्भुत सिद्ध स्थल है। उट ने 4 किलोमीटर लंबा रोड शो भी किया।

कमलनाथ ने पानी तक के लिए पैसे नहीं दिए

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना सम्मेलन में कहा, ह्यकमलनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने बेगा, सहरिया बहनों का 1 हजार रुपए बंद कर दिया। ह्यकन्यादान योजना में बेटियों की शादी तो कराई, लेकिन कन्याओं के खातों में पैसा नहीं भेजा। घर-घर पानी पहुंचाने के लिए सीएम ने ह्यजल जीवन मिशन 2019 में शुरू किया। कमलनाथ ने पानी के लिए पैसे नहीं दिए। कई योजनाएं बंद कर दीं।

27 अगस्त की दोपहर हम फिर मिलने वाले हैं

सीएम ने कहा, ह्यलाड़ली बहना के 1 हजार रुपए पर भैया रुकने नहीं वाला। 27 अगस्त को दोपहर 1 बजे भी हम मिलने वाले हैं। अपने-अपने गांव में बैठना। मैं भोपाल में 1 लाख बहनों के बीच रहूंगा। यहीं से सभी बहनों से बात करूंगा।

जनता मेरी भगवान, पुजारी शिवराज सिंह चौहान

सीएम ने कहा, ह्यहम छिंदवाड़ा में नया महाविद्यालय तत्काल प्रारंभ करेंगे। शानदार ऑडिटोरियम भी बनाया जाएगा। छिंदवाड़ा के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आगे भी नहीं छोड़ेंगे। मैं सरकार नहीं चला रहा, परिवार चला रहा हूं। मध्यप्रदेश मेरा मंदिर है, इसमें रहने वाली जनता मेरी भगवान है। जनता का पुजारी शिवराज सिंह चौहान है।

आंख से आंसू के साथ निकल रहे पत्थर, 15 वर्षीय बच्ची को लेकर परिजन पहुंचे अस्पताल

डॉक्टर बोले- इन पत्थरों का आंख से संबंध नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, अनूपपुर। अनूपपुर जिले में एक 15 वर्षीय बच्ची की आंख से आंसू के साथ पत्थर निकल रहे है। बच्ची की आंख से पत्थर निकालने की घटना के बाद बाद परिजन भी हैरान रह गए। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया है। इसके बाद बच्ची को जिला अस्पताल लाया गया। यहां नेत्र विभाग के स्पेशलिस्ट बच्ची का इलाज कर रहे हैं। हालांकि नेत्र विशेषज्ञ का कहना है कि इन पत्थर और आंख का कोई संबंध नहीं है। दरअसल, सरस्वती पिता उत्तम सिंह (15) अनूपपुर जिले के निमहा गांव की रहने वाली हैं। परिजनों ने बकाया कि सरस्वती की आंख में पहले आई फ्लू की समस्या हुई। इसके बाद उसके आंख से पत्थर निकालने लगे। इसके बाद परिजन हैरान हो गए। परिजनों को पहले जादू टोना की शंका हुई, तो वे बच्ची को जिला अस्पताल नहीं लाए। इसकी जानकारी अनूपपुर बीएमओ के मिली। बीएमओ धनीराम ने अपनी गाड़ी भेज कर बच्ची को जिला अस्पताल लाया। यहां नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर जनक सारीवान बच्ची की जांच कर रहे हैं।

गुरुद्वारे में जहरखुरानी, एक गंभीर

तीन दिन से सेवादार बनकर रुके थे महिला-पुरुष, बेहोशी की हालत में मिले चार लोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। गुरुद्वारे में जहरखुरानी का मामला सामने आया है। आरोपी महिला-पुरुष पिछले तीन दिन से सेवादार बनकर रुके हुए थे। सुबह उन्होंने खाने में जहरीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाते ही प्रमुख सेवादार और अन्य तीन की हालत बिगडऩे लगी। सुबह चारों लोग बेहोशी की हालत में मिले। घटना ग्वालियर के घाटीगांव थाना क्षेत्र स्थित रेहट में दशमेश गढ़ शंकर लंगर साहिब गुरुद्वारा की है।

पुलिस के मुताबिक गुरुद्वारे में सरदार हरवंशी मुख्य सेवादार हैं। उनके साथ बलकार सिंह, परमवीर सिंह और गुरुप्रीत सिंह भी रहते हैं। सुबह जब स्थानीय लोग गुरुद्वारे में अरदास करने पहुंचे, तो यहां सरदार हरवंशी समेत चारों बेहोश पड़े थे। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के बाद गुरुप्रीत को होश आ गया है, जबकि मुख्य सेवादार समेत दो अन्य अभी भी बेहोश हैं।

महिला-पुरुष ने बनाया था खाना

गुरुप्रीत ने बताया कि तीन दिन से गुरुद्वारे पर एक सरदार, एक महिला व बच्ची ठहरे हुए थे। वह गुरुद्वारे में रहकर सेवा कर रहे थे। शुक्रवार रात उन्होंने ही खाना बनाया था। सभी ने मिलकर खाना खाया। इसके बाद जब होश आया, तो खुद को अस्पताल में पाया।

नकदी, मोबाइल व अन्य सामान ले गए

बताया गया है कि आरोपी महिला-पुरुष गुरुद्वारे से करीब 30 हजार रुपए नकदी, चारों के मोबाइल व जेब में रखे रुपए समेत अन्य सामान ले गए। गुरुद्वारे की दानपेटी भी टूटी मिली है। पुलिस संदेहियों की तलाश में हाइवे पर लगे सीसीटीवी खंगाल रही है।

खाने का सैंपल जांच के लिए भेजा

घाटीगांव एसडीओपी संतोष पटेल ने बताया कि गुरुद्वारे में नशीला पदार्थ मिला खाना खिलाने से मुख्य सेवादार व उनके अन्य साथी बेहोश हुए थे। इनमें से एक को होश आ गया है। पता चला है कि आरोपी गुरुद्वारे से नकदी व अन्य सामान ले गए हैं। उनकी तलाश के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी चेक कर रहे हैं।

साले-जीजा हुए 40 लाख की ठगी का शिकार

ठगों ने रेलवे अधिकारी बनकर की ठगी, कम दामों में स्क्रैप मैटेरियल दिलाने को कहा

शिवपुरी। शिवपुरी शहर के तुलसी नगर के रहने वाले दीपक जादौन और उसके ग्वालियर के रहने जीजा शिवम तोमर के साथ तीन ठगों ने रेलवे अधिकारी बनकर रेलवे के यार्ड से सस्ते दाम में स्क्रेप मटेरियल दिलाने के नाम पर 40 लाख रूपए की ठगी कर ली थी। इसकी शिकायत ठगी का शिकार होने वाले दीपक ने 13 अगस्त को कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस ने तीन आरोपियों पर खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे बनी थी ठगी की योजना

जानकारी के अनुसार मुरैना जिले के रहने वाले विष्णु शर्मा की मुलाकात दिल्ली में फरीदाबाद के रहने बाले नवीन उर्फ अवधेश पासवान से हुई। नवीन ने खुद को रेलवे का बड़ा अधिकारी बताया। कुछ समय बाद नवीन ने विष्णु शर्मा से रेलवे यार्ड से स्क्रेप मटेरियल सस्ते दामों में दिलवाने के लिए किसी बड़ी पार्टी को तलाश करने को कहा। ज्यादा कमीशन के लालच में विष्णु ने ग्वालियर में पार्टी की तलाश शुरू कर की। इसी दौरान विष्णु से ग्वालियर का रहने वाला शिवम तोमर मिला। शिवम ने फायदे का सौदा समझ कर उसके साले को काम में मिला लिया था। जो कि शिवपुरी का रहने वाला था।

डील फाइनल करने के लिए नवीन उर्फ अवेधश उर्फ सुरेश पासवान अपने एक साथी शेषनाथ पाण्डे(फरीदाबाद) से साथ आए थे। शेषनाथ के साथ विष्णु शर्मा(शिवपुरी) भी था। वहीं रेलवे यार्ड से स्क्रेप मटेरियल सस्ते दाम में दिलवाने का ठेका 80 लाख रूपए में तय कर लिया था। इसकी कागजी कार्यवाही की गई थी। इसके बाद साले - जीजा को रेलवे यार्ड में घुमाकर नवीन ,शेषनाग और विष्णु ने टुकड़ों में 40 लाख रूपए ऐंठ लिए थे। कुछ दिन बाद दीपक जादौन और उसके जीजा को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में ऋकफ दर्ज कराई थी। बता दें कि फरीदाबाद के रहने वाले नवीन और शेषनाग मूलतः बिहार के रहने वाले है। दोनों पर पहले भी ठगी के कई मामले दर्ज हो चुके है।

संपादकीय

पाठ्यक्रम में चुनाव के बेहतर विकल्प होंगे

बहुत सारे विद्यार्थियों में परीक्षाओं को लेकर भय इसलिए पैदा होता है कि उन्होंने ठीक से पढ़ाई नहीं की होती है। ठीक से पढ़ाई वही विद्यार्थी नहीं कर पाते हैं, जिनकी पाठ्यक्रम में रुचि नहीं होती। वे अभिभावक और स्कूल के दबाव में पढ़ रहे होते हैं। उनका मन कुछ और करने-पढ़ने का होता है। ऐसे बच्चों के लिए नए पाठ्यक्रम में चुनाव के बेहतर विकल्प होंगे। जो बच्चे बेहतर रोजगार के लिए या फिर ऊंची तकनीकी उपलब्धि की मंशा से पढ़ाई कर रहे होते हैं, उनके लिए भी पहले की तरह सीखने-पढ़ने के अवसर होंगे। अब शिक्षा मंत्रालय ने रूपरेखा पेश कर दी है। नई पाठ्यचर्या की घोषणा भी कर दी गई है। माना जा रहा है कि इस तरह विद्यार्थियों पर परीक्षा का मनोवैज्ञानिक दबाव कम होगा और उन्हें अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका दो बार मिलेगा। दो चरण में परीक्षा होने से विद्यार्थी पर परीक्षा की तैयारी करने का दबाव भी कम होगा, क्योंकि पहले चरण में पाठ्यक्रम के जिस अंश की वह परीक्षा दे चुका होगा, उससे दूसरे चरण में प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे। इस तरह विद्यार्थी में परीक्षा की तैयारी की निरंतरता भी बनी रहेगी। हालांकि परीक्षा का तनाव कम करने के मकसद से पहले ही दसवीं और बारहवीं में विद्यार्थियों के स्कूली प्रदर्शन को भी उनके मूल्यांकन से जोड़ दिया गया था। इस तरह उन्हें बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ विद्यालयी प्रदर्शन के अंक भी मिल जाते थे। दसवीं में केवल उसी साल के पाठ्यक्रम से सवाल पूछे जाते हैं, जबकि नौवीं का मूल्यांकन स्कूल खुद करता है। इस तरह पहले से ही बच्चों में बोर्ड परीक्षाओं का भय समाप्त करने का प्रयास चल रहा है। अब दो चरण में परीक्षा होने से उन्हें मनोवैज्ञानिक राहत मिलेगी। इसमें नई पाठ्यचर्या भी उनकी काफी मदद करेगी, क्योंकि इसमें अब बच्चों को अपने परिवेश से सीखने और अपनी रुचि के पाठ्यक्रम का चुनाव करने का अवसर उपलब्ध होगा। अभी तक पाठ्यक्रम ऊंची नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर तैयार किया जाता था, जबकि अब बच्चों के कौशल विकास पर अधिक जोर होगा। इस तरह पाठ्यक्रम के प्रति बच्चों में रुचि पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

अर्ज़ किया है..!

इश्क़ का ज़ौक़-ए-नज़ारा
मुफ़्त में बदनाम है
हुस्न ख़ुद बे-ताब है जल्वा
दिखाने के लिए

-असरार-उल-हक़ मजाज़

MORARI BAPU

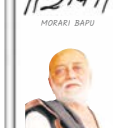

सत्य-प्रेम-करुणा...

हम क्या हैं संकट में ही प्रार्थना शुरू करते हैं... प्रार्थना जीवन की शांति में करो... संकट में सावधान रहो...

।। मानस अक्षय वट ।।

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

महिला जगत

कितना पढ़ी लिखी हैं डॉ. रितु कारिधाल? कैसे मिली चंद्रयान 3 मिशन में डायरेक्टर की जिम्मेदारी

23 अगस्त को भारत ने अंतरिक्ष में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। चंद्रयान 3 का लैंडर चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुका है। चंद्रमा अपने भीतर कई रहस्यों को छुपाए हुए है। इन्हीं रहस्यों को जानने के लिए दुनिया की बड़ी स्पेस एजेंसिया चंद्रयान, आर्टेमिस और लूना जैसे मिशन चांद पर भेज रही हैं। स्पेस साइंटिस्ट डॉ. रितु कारिधाल 'रॉकेट वुमन' के नाम से मशहूर हैं।

◆ डॉ. रितु कारिधाल की पढ़ाई

डॉ. रितु कारिधाल का जन्म 1975 में लखनऊ में हुआ था। बचपन से ही उन्हें चांद-सितारों और आसमान में दिलचस्पी थी। डॉ. रितु कारिधाल ने अपनी पढ़ाई नवयुग कन्या महाविद्यालय से की है। इसके अलावा डॉ. रितु कारिधाल ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से भौतिकी में एमएससी की डिग्री हासिल की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें अंतरिक्ष में शुरुआत से ही रुचि थी। इसी क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए उन्होंने बेंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान में प्रवेश किया। इसके बाद साल 1997 में डॉ. रितु कारिधाल ISRO में नौकरी की करने लगीं।

◆ मिल चुकी है ये उपलब्धियां

डॉ. रितु कारिधाल को कई उपलब्धियां मिली हुई है। रितु को यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी मिला हुआ है। साथ ही उन्होंने कई और मिशन में भी अहम भूमिका निभाई है। खास बात ये है कि डॉ. रितु को एरोस्पेस महिला उपलब्धि पुरस्कार से भी नवाजा गया है। जो सोसाइटी ऑफ इंडियन एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रीज द्वारा दिया गया। डॉ. रितु कारिधाल को 'रॉकेट वुमन' के नाम से भी जाना जाता है।

◆ ऐसे मिली जिम्मेदारी

दरअसल, डॉ. रितु कारिधाल चंद्रयान-2 की मिशन डायरेक्टर थीं। 2020 में ही इसरों ने ये तय कर लिया था कि, चंद्रयान-3 का मिशन भी रितु के ही हाथों में होगा। इस मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी वीरामुथुवेल हैं।

जानिए कौन हैं चंद्रयान -3 परियोजना की एसोसिएट डायरेक्टर कल्पना कालाहस्ती

इसरो ने मिशन चंद्रयान 3 की सुरक्षित तरीके से चांद पर लैंडिंग कराकर इतिहास रच दिया है। इस पूरे मिशन को सफल बनाने में कई वैज्ञानिकों ने दिन-रात एक कर दी थी। इनमें इसरो में कार्यरत चंद्रयान -3 परियोजना की एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहीं कल्पना कालाहस्ती का नाम भी शामिल हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

कल्पना कालाहस्ती चित्तूर जिले की रहने वाली हैं। उन्होंने चेन्नई में बीटेक ईसीई की पढ़ाई की। उनके पिता मद्रास उच्च न्यायालय के कर्मचारी थे। मां गृहिणी थीं। कल्पना बचपन से ही इसरो में नौकरी करने की ख्वाहिश रखती थीं और उन्होंने अपना लक्ष्य भी हासिल कर लिया। बी.टेक पूरा करने के बाद वह 2000 में

एक वैज्ञानिक के रूप में इसरो में शामिल हुईं। सबसे पहले श्रीहरिकोटा में पांच साल तक काम किया। 2005 में, उन्हें बैंगलोर के एक उपग्रह केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया जहां उन्होंने काम किया। उन्होंने पाच उपग्रहों के डिजाइन में भी भाग लिया।

वह चंद्रयान -2 परियोजना में भी शामिल रही हैं, जिसे 2019 में श्रीहरिकोटा रॉकेट सेंटर से लॉन्च किया गया था। वर्तमान में, वह चंद्रयान -3 परियोजना की एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम कर रही हैं।

चंद्रयान 3 मिशन के सफलता पूर्वक चांद पर लैंड करने के बाद एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर कल्पना ने बताया कि 'यह मेरे और मेरी टीम के लिए सबसे यादगार पल है। हम पिछले कई सालों से यही प्रयास कर रहे थे। हमने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया।'

Highlights

1. IIT Bombay gets ₹154 crore from anonymous donor in 'rare occurrence'
2. UCC unacceptable, won't accept even small change in Sharia: AIMPLB
3. Law supposed to be a noble profession: SC on lawyer convicted of raping Bilkis Bano
4. Bengal Guv approaches ISRO for tech on ragging after Jadavpur University student's death
5. PM Modi becomes 1st Indian PM in 40 years to visit Greece

Vishnu Prakash IPO available for subscription from today

NEW DELHI, (Agency). The initial public offering (IPO) of Vishnu Prakash R Punglia Limited (VPRPL) opened on Thursday, and will be available for subscription till August 28.

VPRPL is a Jodhpur-based infrastructure firm that was established in 1986. According to its website, it is one of India's 'fastest-growing infrastructure development companies.'

Here is all you need to know about the Vishnu Prakash IPO:

Subscription: As per HT's sister publication Mint, by 10:48am on day 1 of bidding, the book build issue had been subscribed 0.48 times, and its retail portion, 0.71 times. The NII (non-institutional investor) portion, on the other hand, had been subscribed 0.58 times in this time.

Important Dates: The IPO opens and closes on August 24 and 28, respectively. The tentative date for the allocation of shares is August 31, while these are likely to be listed at the stock exchanges on September 5.

Issue size and share price: Vishnu Prakash aims to raise ₹309 crore (₹308.88 crore) from this offer. The price band, meanwhile, has been fixed at ₹94 to ₹99 per equity share.

Lot size and investment limit: The bidding will be done in lots, with each lot comprising of 150 of the infrastructure development firm's shares. To apply for the IPO, a retail investor will, therefore, require at least ₹14,850 (₹99*150).

Registrar: Link Intime India has been appointed as the public issue's official registrar.

To apply or not? Yes, according to both Reliance Securities and Sushil Finance. They share their views with Mint here.

(Disclaimer: The views and recommendations made in the Mint report are those of individual analysts or broking companies, and not of Hindustan Times. We advise investors to check with certified experts before taking any investment decisions)

Antfin to sell 3.6% stake in Paytm, reducing its stake further

NEW DELHI, (Agency). Paytm shareholder Antfin is likely to sell a 3.6% stake in the Indian payments firm through a block deal on Friday as it further reduces its stake in the company, CNBC-TV18 reported on Thursday.

The floor price for the sale is set at 880 rupees per share, the report added, which is a 2.7% discount on Paytm's last closing price of 904.45 rupees.

Citi has been appointed as the broker for the deal, which the broadcaster said is valued at a total of $234 million.

Paytm and Ant Group did not immediately respond to Reuters' requests for comment.

Earlier this month, Paytm said Chief Executive Vijay Shekhar Sharma would buy a 10.3% stake held by Antfin in the firm he founded – in a deal that made him its single largest shareholder.

Antfin is the Netherlands-based arm of Chinese fintech giant Ant Financial. The company, whose stake in Paytm fell to 13.49% after the earlier deal, could further reduce its stake to under 10%.

Antfin's selldown comes after China's Alibaba sold its entire stake in Paytm in February. Japan's Softbank Group has also been cutting its stake in Paytm through open market deals, with its holding down to 9.18% after its latest deal.

New Delhi

G-20 Summit: इमरजेंसी के समय 10 मिनट में अस्पताल पहुंचेंगे मरीज, कर्मियों की छुट्टी रद्द, हाईटेक होंगी सेवाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी) जी-20 सम्मेलन में शामिल होने वाले मेहमानों को एडवांस मेडिकल सुविधा मिलेगी। किसी भी आपात स्थिति में मरीज को महज दस मिनट में अस्पताल पहुंचाया जाएगा। साथ ही, मरीज को रास्ते में ही उपयुक्त उपचार देने का प्रयास रहेगा। इसके लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस एडवांस एंबुलेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें तैनात स्वास्थ्यकर्मी प्राथमिक उपचार देने में माहिर होंगे।

सम्मेलन के आयोजन स्थल से एम्स, सफदरजंग, डॉ. राममनोहर लोहिया, आर्मी अस्पताल, लेडी हार्डिंग, लोकनायक सहित अन्य अस्पतालों तक स्पेशल ग्रीन कॉरिडोर बनेंगे। इनकी मदद से पीड़ित को अधिकतम दस मिनट में अस्पताल पहुंचा दिया जाएगा। एंबुलेंस को पोर्टेबल जांच मशीनों से लैस किया जा रहा है। इसके अलावा वेंटिलेटर व अन्य सुविधाएं भी होंगी, ताकि मरीजों कुछ ही सेकंड में उपचार मिल सके। डॉक्टरों को भी आपातकालीन सेवाएं देने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके लिए सभी नोडल अस्पतालों में डॉक्टरों का प्रशिक्षण चल रहा है।

अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कृत्रिम बुद्धिमता व एडवांस तकनीक का भी इस्तेमाल होगा। लोकनायक अस्पताल के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि कैजुअल्टी को बेहतर बनाया गया है। जी-20 सम्मेलन के लिए डॉक्टरों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें बताया जा रहा है कि यदि किसी भी व्यक्ति को अस्पताल में लाना पड़ता है तो कम से कम समय में कैसे मरीज को बेहतर उपचार दिया जाए। इसमें आधुनिक जांच मशीनों का भी इस्तेमाल होगा। आईसीयू बेड को भी अपग्रेड किया है।

Keral

सजा काटकर लौटा शख्स जज पर भड़का, भरी अदालत में दीं गालियां केरल हाईकोर्ट में भारी हंगामा

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी) जमानत नहीं मिलने से नाराज केरल में एक शख्स ने जज के खिलाफ ही अपना आपा खो दिया। खबर है कि जेल से रिहा होने के बाद शख्स ने कोर्ट रूम में पहुंचकर जज से बेहद अमर्यादित भाषा में बात की और अपशब्द भी कहे। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि उसके खिलाफ कोर्ट की अवमानना का मामला चलेगा या नहीं। अदालत की तरफ से भी आधिकारिक तौर पर इस मामले को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल हाईकोर्ट के जज विजु अब्राहम ने बीते साल एक शख्स को जमानत देने से इनकार कर दिया था। बाद में उसे एक साल की सजा हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि वह जेल से रिहा होते ही कोर्ट पहुंचा और जज को भला बुरा कहने लगा। बाद में सुरक्षा कर्मियों ने उसे कोर्ट रूम से बाहर भेजा। खबर है कि बदतमीजी करने वाले पेशे से वकील था और एक अपराध के चलते बीते साल गिरफ्तार हुआ था। जब मामला उच्च न्यायालय के सामने पहुंचा, तो जस्टिस विजू अब्राहम ने मामले की सुनवाई की और उसे जमानत देने से इनकार कर दिया।

Uttarpradesh

आधी रात बहू के कमरे में हो रही थी हलचल, सास ने बाहर से लगाई कुंडी

आगरा, (एजेंसी) आगरा में आधी रात एक महिला के घर में अंजान युवक घुस आया। वह महिला से छेड़खानी करने लगा। इतने में महिला की सास जाग गई। वह दवाजे पर बाहर कुंडी लगा दी और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। इतने में दरवाजे पर भारी भीड़ जमा हो गई। आरोपी को जब कमरे से निकाला गया, तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि वो ऐसा कर सकता है। आरोपी कोई और नहीं, बल्कि गांव के ही प्रधान का बेटा निकला। जानकारी होने पर प्रधान वहां पहुंच गया। उसने पीड़ित को थप्पड़ मार दिया। पुत्र को छुड़ाकर ले गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

Punjab

खौफनाक : नाना ने आठ साल के नाती को नहर में दिया धक्का, गोताखोर तलाश में जुटे

अमृतसर (पंजाब), (एजेंसी) पंजाब के अमृतसर में एक व्यक्ति ने नहर में अपने आठ वर्षीय नाती को धक्का दे दिया। फिलहाल पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी है। दरअसल, अदालत ने एक दंपती में समझौता करवा कुछ दिन साथ रहने को कहा था। मगर आरोपी नाना यह नहीं चाहता है। यही वजह थी कि उसने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। राजासांसी थाना प्रभारी हरचंद सिंह ने बताया कि आरोपी नाना के खिलाफ केस दर्जकर उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

राजासांसी के गांव बल सचंदर निवासी सुखदेव सिंह का अपनी पत्नी के साथ अदालत में विवाद चल रहा था। अदालत ने समझौता करवा दंपती को कुछ समय तक इकट्ठा रहने को कहा था। दंपती साथ रहने को मान गए मगर सुखदेव सिंह का ससुर अमरजीत सिंह निवासी गांव मीरांकोट इसके खिलाफ था। गुरुवार शाम आरोपी अपने आठ वर्षीय नाती गुरअंशप्रीत सिंह को अपने साथ ले गया। आरोपी ने अपने नाती गुरअंशप्रीत को जगदेव कलां के रास्ते में पड़ने वाली नहर में धक्का दे दिया और फरार हो गया।

खेल

शतरंज विश्व कप फाइनल : प्रगनानंदा के विश्व चैंपियन बनने का सपना टूटा, दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी कार्लसन से हारे

बाकू, (एजेंसी) शतरंज विश्व कप के फाइनल में भारत के रमेशबाबू प्रगनानंदा को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही प्रगनानंदा के विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया।टाईब्रेक में पहले गेम में प्रगनानंदा को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उनके लिए वापसी बेहद मुश्किल हो गई थी। अगला गेम कार्लसन ने ड्रॉ कराया और मैच अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल प्रारूप में दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे थे। ऐसे में यह मैच टाई ब्रेकर में पहुंचा और यहां जीत हासिल कर मैग्नस कार्लसन ने विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अमेरिका के फैबियानो कारुआना तीसरे और अजरबैजान के निजात अबासोव चौथे स्थान पर रहे।

फाइनल मैच के तीसरे दिन टाई ब्रेकर में प्रगनानंदा सफेद मोहरों के साथ पहला गेम हार गए थे। इसके साथ ही उनकी हार लगभग तय हो गई थी, क्योंकि कार्लसन के खिलाफ काले मोहरों के साथ अगला गेम जीतना उनके लिए बेहद मुश्किल था। अंत में हुआ भी ऐसा ही। कार्लसन ने सफेद मोहरों के साथ बेहद रक्षात्मक खेल दिखाया और शुरुआत से ही किलेबंदी करके समय जाया करते रहे। अंत में यह गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ और पहला गेम जीतने वाले कार्लसन ने मैच अपने नाम किया।

क्लासिकल मुकाबलों में क्या हुआ?- रमेशबाबू प्रगनानंदा और मैग्नस कार्लसन के बीच विश्व कप के फाइनल मैच में क्लासिकल प्रारूप का पहला गेम मंगलवार को हुआ था। प्रगनानंदा सफेद और कार्लसन काले मोहरों के साथ खेल रहे थे। दोनों खिलाड़ियों ने बहुत ही संयमित तरीके से यह मैच खेला। बाद में कार्लसन ने काले मोहरों के साथ यह मैच जीतने की कोशिश की, लेकिन प्रगनानंदा ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाया और मैच बचाने में सफल रहे। 35 चाल के बाद दोनों खिलाड़ियों ने हाथ मिलाए और मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ।

क्लासिकल प्रारूप में दूसरा मुकाबला बुधवार को खेला गया। इस मैच में कार्लसन सफेद मोहरों के साथ खेल रहे थे और प्रगनानंदा काले मोहरों के साथ खेल रहे थे। इस मैच में भी दोनों खिलाड़ी संयमित नजर आए और शुरुआत से ही लग रहा था कि मैच ड्रॉ होगा और अंत में हुआ यही। एक घंटे तक चले मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने 30 चालें चलीं, लेकिन मैच बराबरी पर रहा और अंत में दोनों ने ड्रॉ खेलने का फैसला किया। इस मैच में कार्लसेन शुरुआत में समय के लिहाज से आगे थे, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा सके और अंत में वह खुद समय के मामले में पिछड़ने लगे थे।

फाइनल में जगह बनाने के बाद, प्रगनानंदा दिग्गज बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

सिनेमा

नेशनल फिल्म अवार्ड 2023: अल्लू अर्जुन बेस्ट एक्टर, आलिया सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

मुंबई। केंद्र सरकार ने 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान कर दिया है। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने विजेताओं के नामों का ऐलान किया है। बेस्ट एक्टर का खिताब इस बार अल्लू अर्जुन को मिला है। वहीं आलिया भट्ट सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुनी गई हैं। नेशनल फिल्म अवॉर्ड की शुरुआत साल 1954 में हुई थी। नेशनल अवार्ड राष्ट्रपति देते हैं। देखिए विजेताओं की पूरी लिस्ट-

बेस्ट एक्टर: अल्लू अर्जुन, पुष्पा
बेस्ट एक्ट्रेस: आलिया भट्ट, (गंगूबाई काठियावाड़ी) और कृति सेनन (मिमी)
बेस्ट फीचर फिल्म: रॉकेट्री
बेस्ट डायरेक्टर: निखिल महाजन (गोदावरी)
एंटरटेन करने बेस्ट पॉपुलर फिल्म: RRR
बेस्ट हिंदी फिल्म: सरदार उधम सिंह
बेस्ट कन्नड़ फिल्म: 777 चार्ली
बेस्ट मलयालम फिल्म: होम
बेस्ट गुजराती फिल्म: छैलो शो
बेस्ट तमिल फिल्म: कदैसी विवासयी
बेस्ट तेलुगु फिल्म: उप्पेना
राष्ट्रीय एकता बेस्ट फीचर फिल्म का नरगिस दत्त अवार्ड: द कश्मीर फाइल्स
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर: पंकज त्रिपाठी (मिमी)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस: पल्लवी जोशी (द कश्मीर फाइल्स)
बेस्ट प्लेबैक सिंगर: RRR

डॉक्टरों की लापरवाही से दलित बच्चे की मौत का मामला ...

दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं की तो एमवाय परिसर में करेंगे बच्चे का दाह संस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमवाय अस्पताल में इलाज करवाने पहुंचे रविदास समाज के 16 वर्षीय (10 वीं में टॉपर) बालक प्रेम पिता मुकेश कश्यप निवासी रुस्तम का बगीचा की डॉक्टरों की लापरवाही से जान चली गई।।

बच्चे के कान में मवाद के चलते परिजन पहुँचे थे एमवाई हॉस्पिटल। कान के सफल ऑपरेशन के पश्चात् स्वस्थ बालक लापरवाह डॉक्टरों के हवाले कर दिया गया। आरोप हैकि डॉक्टर यामिनी गुप्ता और उनकी साथी डॉक्टर टीम ने 3 गलत इंग्जेशनों का ओवर डोज प्रेम कश्यप को दे दिया जिससे उसका शरीर पूरी तरह नीला पड़ गया और मात्र 10 मिनिट में उसकी मृत्यु हो गई।घटना के पश्चात् डॉक्टरों द्वारा दवा की पर्ची बदल दी गई। ताकि डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप न लगे।

घटना से आक्रोशित रविदास समाज के लोगों ने दलित नेता मनोज परमार और भाजपा नेता नानूराम कुमावत को सूचना दी। तत्काल हॉस्पिटल पहुंचे परमार और कुमावत ने डीन पीएस ठाकुर से संपर्क कर डॉक्टर यामिनी गुप्ता और बच्चे की मौत के जिम्मेदार डॉक्टरो को सस्पेंड करने की मांग की। साथ ही संयोगितागंज थाना प्रभारी विजय तिवारी को हाथों हाथ कायमी करने को कहा।। तत्काल मर्ग कायम किया। परन्तु प्रकरण दर्ज करने से मना कर दिया । परमार ने कहा यदि दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हम बच्चे का दाह संस्कार यहीं एमवायएच परिसर में करेंगे और एमवाई हॉस्पिटल का घेराव प्रदर्शन करेंगे। जब तक दोषी डॉक्टरों पर कार्रवाई और मृतक बच्चे के परिजनों को आर्थिक मुआवजा नहीं मिलेगा हमारा आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

कपड़ा दुकान कर्मचारी ने की खुदकुशी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आजाद नगर में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि उसका इलाके में रहने वाले अन्य युवक ने विवाद के बाद केस दर्ज करा दिया। रात में ढूंढते हुए पुलिसकर्मी उसे घर आए और थाने बुलाया। परिवार का आरोप है कि इस डर के चलते गुरुवार को युवक ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पुलिस के मुताबिक राहुल (28) पिता गिरधारीलाल कदम निवासी न्यू पंचशील नगर ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। भाई बलराम ने बताया कि राहुल का इलाके में रहने वाले जय नाम के युवक से विवाद हुआ था। मारपीट के बीच जय ने आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में दो पुलिसकर्मी बुधवार रात उनके घर आए और राहुल की पूछताछ की। गुरुवार को घर पर डर के चलते राहुल ने यह कदम उठा लिया।

कपड़े की दुकान पर करता है काम

बलराम के मुताबिक राहुल तीन भाइयों में मझला है। वह इलाके की कपड़े की दुकान पर काम करता है। उससे परिवार के लोगों ने पुलिस के घर आने का कारण पूछा तो उसने जय नाम के युवक से विवाद होने की बात कही थी। बताया जाता है कि पुलिसकर्मियों ने गुंडा अभियान के तहत जेल भेजने की धमकी तक दी थी। जिससे राहुल घबरा गया।

स्कूल कर्मचारी ने भी दी जान

लसूडिया में रहने वाले एक निजी स्कूल के कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जाता है कि गुरुवार को ही उन्होंने घर से अलग होकर एक नया रूम किराये पर लिया था। यहां सामान रखने के दौरान वह कमरे पर पहुंचे और फंदा लगाकर जान दे दी। आसपास के लोगों ने उन्हें देखा तो पुलिस को सूचना की। फिलहाल मामले में जांच की जा रही है। लसूडिया पुलिस के मुताबिक कुणाल पिता दिलीप सिंह चौहान निवासी फीनिक्स सिटी का शव गुरुवार देर शाम एक घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला। कुणाल निजी स्कूल में सपोर्टर कर्मचारी के पद पर कई सालों से काम कर रहे थे। परिवार में पत्नी ओर तीन बच्चे हैं। रिश्तेदार राहुल ने बताया कि एक दिन पहले कुणाल ने नया रूम किराये से लेने को लेकर बात की थी। गुरुवार को वहां सामान शिफ्ट करना था। वह स्कूल से छुट्?टी कर यहां सामान रख रहे थे। कमरे पर जाने के बाद वापस पुराने वाले घर नहीं आए। जिसके बाद मकान मालिक के यहां से उन्हें देखा तो वह फंदे पर लटके मिले। इसके बाद परिवार को जानकारी दी।

पिता की हो चुकी मौत

कुणाल के पिता की 3 साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में भाई, भाभी और मां है। बताया जाता है साथ रहने के दौरान परिवार में आपसी बातचीत हुई थी। इसके बाद कुणाल ने अलग होने का मन बनाया था। वह संभवतः इसी बात से दुखी था। परिवार के मुताबिक अभी किसी तरह का सुसाइड नोट या अन्य परेशानी बात सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक परिवार के बयान के बाद और स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

रुपए के लेनदेन में दो पक्षों में झगड़ा

इंदौर। मल्हारगंज में गुरुवार रात दो पक्षों में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर दी। हंगामे की सूचना के बाद पुलिस यहां पहुंची और दोनों पक्षों को पकडक़र थाने ले आई। यहां रात में पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक रात में हेमू कॉलोनी में विवाद की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। यहां नमित की शिकायत पर हर्षित और विजय व दोनों की शिकायत पर नमित के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रात में सूचना के बाद यहां क्षेत्रीय पार्षद भी पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक नमित को हर्षित और विजय से रुपये लेना थे। गुरुवार को नमित उनके घर पहुंचा।

लुटेरे पकड़ाए 6 मोबाइल और बाइक बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस ने मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को पकडक़र इनके पास से 6 मोबाइल और बाइक बरामद की है। आरोपियों की सूचना फरियादी ने ही पुलिस को दी थी। इसके बाद पुलिस ने इन्हें घेराबंदी की धरदबोचा।

एरोड्रम पुलिस ने बताया कि गत 17 अगस्त 2023 की रात कचरा प्लांट के पास स्कीम नंबर 51 रोड़ से सौरभ पाटील पिता छगन पाटील खाना खाकर टहलने के लिये पैदल पैदल फोन चलाते हुए जा रहा था उसी समय एक बाइक पर सवार दो बदमाश उसका मोबाइल छीन कर भाग गए थे। एरोड्रम पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। फरियादी ने खुद ही पुलिस को सूचना दी कि जिन आरोपियों ने उसका मोबाईल छीना था वह नंदबाग रोड़ स्कीम नंबर 51 पर बाइक के साथ खड़े हैं। पुलिस टीम ने स्पाट पर पहुंचकर यश नामदेव पिता मनोज नामदेव ,गरीब नवाज कालोनी ,पीयूष पिता आनंद सिंह राजपूत ,ह माल कालोनी को पकड़ा। इनसे लूट का मोबाइल जब्त किया गया। अन्य चोरी लूट की घटनाओं के संबंध में पूछताछ करते पूर्व में अपने साथी अजय पिता मोतीलाल राठौर,महाराणा प्रताप नगर को पकड़ा तो उसके पास भी लूट के मोबाइल मिले। पुलिस ने आरोपियों से लूट के 6 मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त कर ली है।

सुबह धूप खिली और हल्की बूंदाबांदी भी हुई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शुक्रवार सुबह बादल न होने से धूप खिली और हल्की बूंदाबांदी शहर में थोड़ी देर के लिए हुई। सुबह न्यूनतम दृश्यता 2500 मीटर दर्ज की गई। वहीं पश्चिमी हवाएं 27 किलोमीटर प्रति घंटा गति से चली। सुबह न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री दर्ज किया गया जो की सामान्य था। एयरपोर्ट स्थित वेदर स्टेशन पर पिछले 24 घंटे में 0.3 किलोमीटर वर्षा दर्ज की गई।

गौरतलब है कि गुरुवार को इंदौर शहर में सुबह बादल छाए रहे और धुंध का असर रहा। सुबह न्यूनतम दृश्यता एक हजार मीटर तक पहुंची। वही शाम के समय भी धुंध के कारण कुहासे का अहसास हुआ। सुबह 9 बजे वर्षा की हल्की बौछारें भी पड़ी। दिन में पश्चिमी हवाएं 22 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चली। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, वर्तमान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर चक्रवाती हवाओं का घेरा 3.1 किलोमीटर से 7.1 किलोमीटर बना हुआ है। इसका झुकाव दक्षिण दिशा की ओर बना हुआ है।

वहीं एक मानसून द्रोणिका फिरोजपुर, करनाल, मेरठ आजमगढ़, पटना देवगढ़ की ओर जा रही है। इसके असर से शुक्रवार को शहर में बादल छाए रहने के साथ हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। इंदौर में अगले सप्ताह तक हल्की बूंदाबांदी और बादल रहने की संभावना जताई गई है। गौरतलब है कि इंदौर में अगस्त माह में अभी तक 62 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो की औसत से काफी कम है। हालांकि यह उम्मीद जताई जा रही है कि अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में शहर में अच्छी बारिश होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।